

भारत के हथियारों का आयात: SIPRI

प्रलिस के लयि:

भारत में हथियारों का आयात, स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रसिच इंस्टीट्यूट, रूस-यूक्रेन युद्ध, प्रोद्योगिकी का स्वदेशीकरण ।

मेन्स के लयि:

भारत में हथियारों का आयात और नरियात ।

चर्चा में क्यों?

[स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रसिच इंस्टीट्यूट \(SIPRI\)](#) के [ट्रेंड्स इन इंटरनेशनल आर्म्स ट्रांसफर 2022 रिपोर्ट](#) के अनुसार, भारत वर्ष 2018 से 2022 तक वशिव का सबसे बड़ा हथियार आयातक बना रहा, इसके बाद सऊदी अरब और यूक्रेन का स्थान रहा ।

रिपोर्ट की मुख्य वशैषताएँ:

- वैश्विक हथियार हस्तांतरण:
 - वैश्विक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय हथियारों के हस्तांतरण में 5.1% की कमी आई है, [यूक्रेन में युद्ध](#) की पृष्ठभूमि में वर्ष 2013-17 और वर्ष 2018-22 के बीच यूरोपीय देशों द्वारा प्रमुख हथियारों के आयात में 47% की वृद्धि हुई है ।
 - वैश्विक हथियारों के नरियात में अमेरिकी हसिसेदारी 33% से बढ़कर 40% हो गई जबकि रूस की हसिसेदारी 22% से गरिकर 16% हो गई ।
 - वर्ष 2013-17 और वर्ष 2018-22 के बीच पाकसितान द्वारा हथियारों के आयात में 14% की वृद्धि हुई और वर्ष 2018-22 में पाकसितान के 77% हथियारों की आपूर्तकरने वाले चीन के साथ वैश्विक कुल का 3.7% हसिसा रहा ।
- भारत का हथियार आयात, आउटलुक:
 - भारत वर्ष 2018-22 में हथियारों का वशिव में सबसे बड़ा आयातक था, जो कुल वैश्विक आयात का 11% हसिसा था ।
 - वर्ष 2013-17 और 2018-22 के मध्य अपने हथियारों के आयात में 11% की गरिावट के बावजूद भारत शीर्ष आयातक बना रहा ।
- भारत को हथियार आपूर्तकरिता:
 - रूस 2013-17 और 2018-22 के मध्य भारत का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तकरिता था, कति भारत में हथियारों के आयात में इसकी हसिसेदारी 64% से गरिकर 45% हो गई, जबकि फ्रांस वर्ष 2018-22 के मध्य भारत के लयि दूसरे सबसे बड़े हथियार आपूर्तकरिता (29%) के रूप में उभरा, उसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका (11%) पर है ।
 - भारत के मुख्य हथियार आपूर्तकरिता के रूप में रूस की स्थति अन्य आपूर्तकरिता देशों से कड़ी प्रतसिपर्धा के कारण दबाव में है जबकि भारतीय हथियारों के उत्पादन में वृद्धि हुई है तथा वर्ष 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण से रूस के हथियारों के नरियात में बाधाएँ उत्पन्न हुई हैं ।
 - भारत ने इन पाँच वर्ष की अवधि के दौरान इजरायल, दक्षिण कोरिया और दक्षिण अफ्रीका से भी हथियार आयात कयि, जो वैश्विक स्तर पर शीर्ष हथियार नरियातकों में से हैं ।
- हथियार आयात के चालक कारक:
 - पाकसितान और चीन के साथ भारत का तनाव हथियारों के आयात की उसकी मांग को काफी हद तक प्रभावति करता है ।
- हथियार आयात में कमी के कारण:
 - हथियारों के आयात में गरिावट हेतु भारत की धीमी और जटलि हथियारों की खरीद प्रकरया और इसके हथियारों के आपूर्तकरिताओं में वविधिता लाने के प्रयासों सहति कई कारकों को ज़मिमेदार ठहराया जा सकता है ।
- भारत से हथियार की आपूर्तकरिता:
 - रूस और चीन के बाद इस अवधि के दौरान भारत, म्याँमार का तीसरा सबसे बड़ा हथियार आपूर्तकरिता था जो इसके आयात का 14% हसिसा था ।
 - वर्ष 2018-22 में चीन ने पाकसितान को 77% हथियारों की आपूर्तकरिता ।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI):

- यह एक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय संस्थान है जो आयुध, हथियार नयितरण और नरिस्तरीकरण में अनुसंधान हेतु समर्पित है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1966 में स्टॉकहोम (स्वीडन) में हुई थी।
- यह नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, मीडिया और इच्छुक जनता को खुले स्रोतों के आधार पर डेटा, विश्लेषण एवं सफ़ारिशें प्रदान करता है।

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-arms-imports-sipri-1>

